हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 10 मार्च 2025

11 वरिष्ठ नागरिकों ने मासिक बैठक में एडीसी के साथ मनाई...

12 2.60 करोड़ रुपये से बनेगी मसानी चौक से कॉलेज रोड तक सड़क

धुलेंडी पर उभरने लगा पानी का संकट, पेयजल आपूर्ति में राशनिंग शुरू

- नहरों में कम पानी आने के कारण बढ़ने लगी परेशानी, जनस्वास्थ्य विभाग लोगों को बर्बादी की बजाए बचत करने की दे रहा सलाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

धुलेंडी का पर्व नजदीक आ रहा है, वहीं जनस्वास्थ्य विभाग पेयजल संकट के मद्देनजर पानी की आपूर्ति में राशनिंग करने लगा है, क्योंकि गर्मी दस्तक दे चुकी है और पानी की आपूर्ति बढ़ने लगी है, लेकिन जनस्वास्थ्य विभाग के वाटर टैंकों में पानी की कमी गहराने लगी है। इस कारण जनस्वास्थ्य विभाग आमलोगों को पानी की बचत एवं इसका जरूरत अनुसान बूंद-बूंद सोच-समझकर इस्तेमाल करने की सलाह दे रहा है।

गौर हो कि नारनौल शहर की पीने के पानी की आपूर्ति पूरी तरह से नहरी पानी पर निर्भर करती है। जब भी नहरों में पानी का संकट बनता है, इस शहर में पीने के पानी का संकट गहराने लगता है। इस बार धुलंडी पर्व नजदीक है, लेकिन यह संकट उभरने लगा है। हालांकि जनस्वास्थ्य विभाग ने पानी स्टोरेज किया जाता है, जो पूरे महीने का काम चलाता है। पिछली बार जब नहर आई थी, तब उससे पर्याप्त नहरी पानी नहीं मिल पाया था। हालांकि जनस्वास्थ्य विभाग ने अपने वाटरटैंकों को पानी से लबालब भरने का खूब प्रयास किया था, लेकिन नहर पानी की कटौती कर दी गई थी और नहर निर्धारित समय से पहले ही बंद हो गई थी, जिस कारण पानी की स्टोरेज करने में कुछ कमी रह गई थी।

नारनौल। नसीबपुर स्थित डब्ल्यूटीपी वाटर टैंक, जिसमें पानी कम ही बचा है। फोटो: हरिभूमि

यहां बता दें कि जिला महेंद्रगढ़ में महीने में 24 दिन के अंतराल में नहरी पानी छोड़ा जाता है और यह केवल 16 दिन तक ही सप्लाई होता है। कई बार खुबड़ू हैड से नहर में पानी छोड़ा जाता है तो उसमें कई बार नहर में डैडबॉडी आ जाती हैं और उन्हें ढूंढने के लिए नहरों को रोक दिया जाता है। कई बार बिजली फॉल्ट आने, नहरी टूटने या अन्य कारणों से भी नहर रोक दी जाती हैं। इस कारण भी 16 दिन का निश्चित पीरियड भी कम हो जाता है। पिछली बार जब नहरों में पानी छोड़ा गया था तो उसकी क्षमता निर्धारित पानी से कम क्यूसिक पानी छोड़ा गया था और हवाला दिया गया था कि अबकी बार बर्फबारी कम होने एवं बर्फ कम पिघलने के कारण पर्याप्त पानी नहीं बन पाया और इसी कारण नहरों में कम मात्रा में पानी छोड़ा गया। वही संकट अब सामने उभर आ गया है, जिस कारण जनस्वास्थ्य विभाग भी सावधानी बरतता नजर आ रहा है। जनस्वास्थ्य विभाग ने पानी की राशनिंग करना शुरू कर दिया है।

अबकी बार 15 मार्च तक आ सकता है नहरों में पानी

फिलहाल गर्मी का मौसम अपने यौवन की तरफ बढ़ने से पानी की जरूरत भी बढ़ने लगी है। ऐसे में पानी की आवश्यकता ज्यादा रहेगी। अबकी जिला की नहरों में 15 मार्च तक पानी आने की संभावना है, क्योंकि जो टाइम नहरों में पानी छोड़ने का निश्चित है, वह 12 मार्च है। खुबड़ू हैड से 12 मार्च को पानी छोड़ा जाएगा, जो नारनौल तक तीन दिन बाद 15 मार्च तक पहुंचने की प्रबल संभावना है। पानी आने उपरांत वाटर टैंकों को भरने में भी कुछ दिन का समय लगेगा। उसके बाद ही नियमित आपूर्ति शुरू हो सकेगी।

यह कहते हैं अधिकारी

जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ मुकेश शर्मा ने बताया कि फिलहाल पानी की ज्यादा समस्या नहीं है। पानी की कटौती करके सबको पीने के पानी उपलब्ध करवाया जाएगा, लेकिन अब धुलंडी का पर्व है। इस पर्व पर लोग पानी की खूब बर्बादी करते हैं। ऐसे में लोगों को पानी की बचत करनी होगी और पानी की एक-एक बूंद सोच-समझकर इस्तेमाल करनी होगी। तभी हम सभी को पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध करवा पाएंगे।

खबर संक्षेप

व्यक्ति ने फंदा लगा जीवनलीला की समाप्त

महेंद्रगढ़। बीती रात्रि को गांव ऊंची भांडोर निवासी करीब 45 वर्षीय व्यक्ति ने बणी में पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। गांव ऊंची भांडोर निवासी करीब 45 वर्षीय धर्मवीर ने गांव की बणी में पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फंदे पर लटके व्यक्ति को पेड़ से नीचा उतारा। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। पुलस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

नाटक मंचन के लिए 15 को होगा ऑडिशन

नारनौल। रविवार बजाजा बाजार में लोक कला मंच की फाइनल मीटिंग हुई, जिसमें नाटक राजा नून करण नाटक के मंचन पर चर्चा की गई। सुरेश सैनी भगतजी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मौजूद सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की सहमति के बाद धार्मिक रामलीला मंच मोहल्ला चाँदुवाड़ा में 15 मार्च को शाम 7 बजे से 9 बजे तक ऑडिशन और रिहर्सल करना तय किया गया। जो भी साथी इस नाटक मंचन में अभिनय करना चाहता हैं, वह वहां आकर संपर्क कर सकते हैं।

मकान से सामान चोरी करने वाला गिरफ्तार

नारनौल। मकान से सामान चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर पुलिस ने चोरी की वारदात में संलिप्त एक आरोपिता चांदनी वासी बस्तिला बिहार को गिरफ्तार किया। जिसे न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान पुलिस ने आरोपिता से घर का काफी सामान बरामद किया है। आरोपिता को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की ओर से मामले में संलिप्त अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है। शिकायतकर्ता नरेंद्र ने थाना शहर में दी शिकायत में बताया कि बाईपास पर तिरंगा भवन नाम से उसने अपना मकान बनाया हुआ है।

मीटिंगों का एजेंडा नहीं मिलने से विकास योजनाओं पर मंथन नहीं कर पाते पंच

पंचायती राज एक्ट की पालना करने में जागरूक नहीं पंचायतें

- सामान्य परिस्थितियों में पंचों को तीन दिन पहले मीटिंग के एजेंडों की कॉपी भेजने का पंचायत एक्ट में प्रावधान
- ग्रामसभा की बैठकों में 10 फीसदी वोटरों की हाजिरी रहना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

गांवों के संपूर्ण विकास में पंचायतों की बड़ी भूमिका होती है। पंचायती राज एक्ट में सरपंच व पंचों के अधिकार निर्धारित करने के साथ विभिन्न प्रक्रियाओं के नियम बनाए गए हैं, लेकिन पंचायत स्तर पर नियमों की पालना नहीं हो पाती, क्योंकि अधिकांश पंचायतों में पंचों को मीटिंग के एजेंडे तक नहीं मिलते। मौखिक तौर सूचना देकर मीटिंग कराने की परंपरा बनी हुई है। ऐसे में पंचगणों को प्रस्तावित विकास पर मंथन करने का समय नहीं मिलता। जिस कारण सरकार की विभिन्न स्कीमों में अनियमिताओं का अंदेशा बना रहता है।

आपको बता दें कि लोकतंत्र प्रणाली की पंचायतें सबसे छोटी एवं प्रथम इकाई होती है। जिन पर गांव के संपूर्ण विकास तथा जन जन तक सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने की जिम्मेवारी होती है। सरपंच की अध्यक्षता में पंचगणों की सामूहिक मीटिंगों में विकास कार्य निर्धारित होते हैं। इसके लिए पंचायती राज एक्ट में पंचों को कम से कम तीन दिन पहले मीटिंग का एजेंडा भेजना होगा तथा सर्वसम्मति या बहुमत संख्या के आधार पर विकास कार्यों की रूपरेखा बनाने का विधान है।

नांगल चौधरी। बीडीपीओ एवं पंचायत समिति कार्यालय। फोटो: हरिभूमि

हालांकि आपात परिस्थितियों में सरपंच को तत्काल एजेंडा देकर मीटिंग बुलाने का अधिकार है, ऐसे में एजेंडा निकालना किसी भी सूरत में जरूरी है, लेकिन नांगल चौधरी ब्लॉक की अधिकांश पंचायतों में एजेंडा निकालने की प्रक्रिया नहीं होती, पंचों को मौखिक सूचना देकर मीटिंग में बुलाया जाता है। मीटिंग में पंचायत सचिव की उपस्थिति को अनिवार्य बनाया गया है, जोकि सरपंच व पंचों की सहमति पर प्रस्ताव लिखने का काम करेगा।

सूत्रों की मानें तो पंचायती चुनावों के बाद प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण देने का प्रावधान एक्ट में दर्शाया गया है, लेकिन वर्तमान पंचायती कार्यकाल के शुरूआती चरण में सरपंचों ने टैंडर योजना का विरोध किया था। जिस कारण प्रतिनिधियों की प्रशिक्षण प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। जिस कारण सरपंचों को पंचायती राज एक्ट तथा विभागीय योजनाओं को क्रियावंत करने की जानकारी नहीं और नियमों की अनुपालना कर रहे हैं। विभिन्न पंचायतों के पंचों का कहना है कि पंचायती की मीटिंगों की सूचना तक नहीं होती, कार्रवाई रजिस्ट्र को लेकर सरपंच घर आता है तथा हस्ताक्षर कराता है। कई बार तो ग्रामीण महिलाएं प्रस्ताव को बिना पढ़े ही साइन कर देती हैं, ऐसी स्थिति में अनियमिताएं होने की संभावना बनी रहती है। हालांकि इस अनियमिताओं की जानकारी पंचायत सचिव व अन्य उच्चाधिकारियों को भी बताई जाती है, बावजूद पंचायती राज एक्ट की अनुपालना होना पारदर्शिता पर सवाल बना हुआ है।

ग्राम सभा या पंचायत मीटिंग सार्वजनिक स्थान पर करने का प्रावधान

सरकार के निर्देशानुसार ग्रामसभा की बैठक में 18 साल से अधिक आयु की आबादी की 10 फीसदी हाजिरी जरूरी है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामसभा में संख्या के मानकों की पालना नहीं होती, कई बार दो हजार की आबादी वाले गांवों में 50 से 60 लोगों की ओर से की खानापूर्ति कर ली जाती है। जबकि ग्रामसभा में विकास कार्यों का पूरा ब्यौरा रसीदें पढ़कर सुनाने व आगामी विकास योजनाओं का प्रस्ताव पारित किया जाता है। नियमों में ग्रामसभा की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी का भी प्रावधान है। बैठक और मीटिंग का आयोजन केवल सार्वजनिक जगह पर ही करने की हिदायत है।

पंचायत सचिवों के पद खाली होने से बन रही थी रूकावट

पहले पंचायत सचिवों के करीब 50 फीसदी पद रिक्त थे, एक सचिव को अनेक पंचायतों का लेखाजोखा संभालना होता था। जिस कारण पंचायती मीटिंगों के विभिन्न नियमों की पालना करना मुश्किल होता था, लेकिन बीते दिनों सरकार ने लगभग सभी स्वीकृत पदों पर सचिवों की नियुक्ति कर दी है। बावजूद पंचायती राज एक्ट व ग्रामसभा के नियमों की पालना नहीं होने से विकास कार्यों में धांधली की शिकायतें बढ़ रही हैं।

पंचों को मीटिंग का एजेंडा उपलब्ध कराना जरूरी

जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी हरिप्रकाश बंसल ने बताया कि पंचायती राज एक्ट में पंचों को मीटिंग से पहले एजेंडा देना अनिवार्य है। यदि किसी पंच को एजेंडा नहीं मिलता है, तो वह बीडीपीओ, डीडीपीओ या उपायुक्त को लिखित शिकायत कर सकते हैं। इसके बाद सरपंच या पंचायत सचिव के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि ग्रामसभा में भी कुल वोटर आबादी की 10 फीसदी हाजिरी जरूरी होती है।

पंचायत समिति व जिला परिषद की मीटिंगों का रिलीज होता है एजेंडा

मेघोत बींजा, बामणवास खेता, नायल, दताल समेत विभिन्न गांवों के पंचों ने बताया कि पंचायत चुनावों को करीब दो साल बीत चुके हैं। कई बार पंचायत की मीटिंग भी हो चुकी है, लेकिन उन्हें एक भी मीटिंग का एजेंडा नहीं मिला। सरपंच घर आकर साइन कराता है या अपने घर बुलाकर साइन करवा लेता है। उन्होंने कहा कि पंचायत समिति व जिला परिषद की मीटिंग से पहले सदस्यों को एजेंडा भेजा जाता है। यही प्रकिया ग्राम पंचायतों में भी होनी चाहिए, जिससे विकास कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे।

जेएनयू के विद्यार्थियों का दल पहुंचा शिमला

- पांच गांवों की सर्वे कर भौगोलिक कल्चर, आर्थिक, सामाजिक स्थितियों की लेंगे जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी दिल्ली के 65 छात्र छात्राओं तथा पांच प्रोफेसर का एक दल पड़ोसी राज्य राजस्थान के गांव शिमला पहुंचा। शिमला आने पर कॉलेज डायरेक्टर विपिन यादव शिमला ने दल का सम्मान किया। यह दल लगातार सात दिन तक शिमला, दुधवा, गोरीर, दलोंता, रवा सहित पांच गांवों में सर्वे करके यहां की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

भारत सरकार की ओर से विद्यार्थियों को सर्वे के लिए भेजा गया है। यह दल सर्वे के अलावा कॉपर माइन्स, विवेकानंद संग्रहालय, ढ़ोसी हिल्स सहित हिस्टोरिकल पैलेस का भी भ्रमण करेगा तथा वहां के बारे में भी जानकारी प्राप्त करेगा। इस दल में भारत के लगभग सभी राज्यों के बच्चे शामिल हैं।

नारनौल। शिमला पहुंचा विद्यार्थियों का दल। फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस मौके पर प्रोफेसर रवि शेखर, विनय प्रसाद सिन्हा, कृष्णेन्द्र मीणा, देवेंद्र नाथ दास, प्रो. प्रोफेसर श्रीकेश, डा. रामानंद छावल, विद्याधर चौधरी, वेदपाल सिंह, सुरेश पचेरिया, डा. रामानंद शर्मा, दिनेश यादव, प्राची, साक्षी, समीक्षा अहलावत, दिशा, चारवी मीणा, कीर्ति, समिष्ठा, दीया, चेतना शर्मा, गौरव, रत्ना त्रिपाठी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

बाछौद के प्रवीन कुमार ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में हासिल की पीएचडी

- केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले स्कॉलर बने

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की डिग्री बाछौद के बिशन लाल के बेटे प्रवीन को प्रदान की गई। केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले स्कॉलर हैं।

उनका शोध कार्य, जिसका शीर्षक फोटोवोल्टिक (पीवी) स्ट्रिंग और ग्रिड इंटीग्रेशन में फॉल्ट का पता लगाना है, नए एल्गोरिदम का उपयोग करके डॉ. मनीष कुमार और डॉ. अजय कुमार बंसल की देखरेख में किया गया था। अपनी पीएचडी यात्रा के दौरान कुमार ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में सात शोध पत्र प्रकाशित किए हैं, जो उनके क्षेत्र में ज्ञान के भंडार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। प्रवीन कुमार अपनी पीएचडी यात्रा के दौरान अपने परिवार के सदस्यों, शिक्षकों और दोस्तों के निरंतर समर्थन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। राव पवन बाछौदिया ने अपने बड़े भाई को बधाई दी। वर्तमान में वह जम्मू में मॉडल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (स्वायत्त) में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले, उन्होंने रेवाड़ी में माता राजकौर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

मंडी अटेली। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की डिग्री प्राप्त करते प्रवीन कुमार।

पश्चिमी विक्षोभ हुआ सक्रिय, 13 से 16 मार्च के दौरान बारिश व बूंदाबांदी की संभावना

आने वाले दिनों में मौसम बना रहेगा परिवर्तनशील

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम शुष्क व साफ बना हुआ है, धीरे-धीरे सम्पूर्ण इलाके में तापमान में उछाल देखने को मिल रहा है। मार्च महीने में आने वाले दिनों में एक के बाद एक तीन पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में एक बार फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा।

वर्तमान में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ रविवार को सक्रिय हो गया। जिसकी वजह से केवल उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर हल्की बर्फबारी व मैदानी राज्यों पर केवल आंशिक बादलवाही देखने को मिलेग।

इसके पीछे दुसरा पश्चिमी विक्षोभ 13 मार्च को उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी व मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 13 से 16 मार्च के दौरान कहीं कहीं बिखराव वाली केवल 30 से 50 प्रतिशत एरिया में हल्की बारिश व बूंदाबांदी तथा तेज हवाएं चलने साथ गरज चमक के साथ छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है, क्योंकि वर्तमान समय में तापमान में वृद्धि व अरब सागर से दक्षिणी पश्चिमी हवाएं चलने से गरज चमक के बादल बनेंगे। यानी होली और धुलेंडी त्योहार पर रंगों बरसने के साथ कहीं कहीं बिखराव में बादल भी बरसेंगे।

इस मौसम प्रणाली का असर हरियाणा के पंजाब से सटे इलाकों पर ज्यादा देखने को मिलेगा, जबकि हरियाणा के दक्षिणी हिस्सों पर आंशिक असर रहेगा। इसके बाद जैसे ही मौसम प्रणाली आगे निकल जाएगी, उसके पीछे 17 मार्च को भी एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सम्पूर्ण इलाके में फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। यानी आने वाले दिनों में लगातार मौसम गतिशील बना रहेगा, जो वर्तमान परिदृश्य में किसानों भाइयों के लिए बहुत सावधान रहने की जरूरत है। वे मौसम गतिविधियों को देखते हुए बहुत ही सावधानीपूर्वक के साथ कृषि कार्यों को करें।

मार्च महीने की शुरुआत में पहले बारिश, बूंदाबांदी व ओलावृष्टि तथा इसके बाद तेज गति से हवाएं चलने से तापमान में गिरावट देखने को मिली, लेकिन दसके बाद एक बार फिर से सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर में तापमान में उछाल देखने को मिल रहा है।

तापमान सामान्य से अधिक दर्ज

मौसम विशेषज्ञ डा. चंद्र मोहन ने बताया कि दिन के तापमान 28.0 डिग्री सेल्सियस से 34.0 डिग्री सेल्सियस के बीच तथा रात के तापमान भी 10.0 डिग्री सेल्सियस से 14.0 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गए हैं। धीरे-धीरे सम्पूर्ण इलाके में तापमान सामान्य से अधिक होने लगे हैं। आने वाले तीन चार दिनों में हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर तापमान में लगातार उछाल देखने को मिलेगा, जबकि जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ के दिन व रात के तापमान क्रमशः 32.0, 11 डिग्री सेल्सियस और 32.5 व 11.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।यानी सम्पूर्ण इलाके में धीरे-धीरे दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी और तापमान सामान्य से अधिक बने हुए हैं।

कनीना नपा चुनाव को लेकर मतगणना एजेंट नियुक्त करने का कार्य पूरा

- पांच टेबल के माध्यम से तीन राउंड की मतगणना होगी
- सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्था के लिए पुख्ता प्रबंध किए

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

बीती दो मार्च को सम्पन्न हुए कनीना नगर पालिका चुनाव के बाद 12 मार्च को होने वाली मतगणना के के लिए गणना एजेंट नियुक्त किए जाने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। नपा प्रधान व पार्षद पद के प्रत्याशियों की ओर से नगर पालिका कार्यालय में आवेदन दाखिल कर दिए हैं। चुनाव अधिकारी एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि नपा के 14 वार्डों के लिए मतगणना हॉल में प्रधान पद के लिए पांच टेबल, पार्षद पद के लिए पांच टेबल व एक टेबल आरओ के लिए लगाई जाएगी। पांच टेबल के माध्यम से तीन राउंड की मतगणना होगी। जिसकी सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्था के लिए पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम में ईवीएम रखी गई हैं। जिनकी सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मचारी मुस्तैद हैं। मतगणना के समय सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इस बार कनीना नगर पालिका चेयरमैन का सीधा चुनाव हुआ है। यह पद सामान्य श्रेणी की महिला के लिए आरक्षित है। जिसके लिए सात महिलाएं सुमन देवी, रिंपी कुमारी, सरिता सिंह, कुसुमलता, संतोष देवी, सबिता देवी व सुमन चुनाव मैदान में हैं। 14 वार्ड के लिए 41 उम्मीदवार वार्ड पार्षद के लिए भाग्य अजमा रहे है। 14 वार्डों में कुल 10413 मतदाताओं में से 8935 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया था।

- 12 मार्च को कड़ी सुरक्षा के बीच पांच टेबल पर तीन राउंड में होगी मतगणना

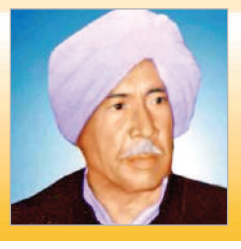

लोककवि

दयाचंद मायना हरियाणवी बोली के कवि थे। वे हरियाणा के अब तक के सबसे महत्वपूर्ण कवियों और लोकगीत कलाकारों में से एक हैं। उनका जन्म 10 मार्च 1915 को हरियाणा (तत्कालीन पंजाब) के रोहतक जिले के मायना गांव में एक वाल्मीकि परिवार में हुआ था। उन्होंने हरियाणवी सांग और रागनी का बेहतरीन निर्माण किया। उन्होंने 21 किस्सा (हरियाणवी में नाटक) और 150 से अधिक रागनियां (हरियाणवी में कविता) लिखीं। 20 जनवरी 1993 को उनका निधन हो गया।

जन कल्याण के रचनाकार कहलाए शिवचरण

जयंती विशेष

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

लोककवि शिवचरण अपने समय के एक सशक्त हस्ताक्षर थे, जिन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से जनमानस में नई जागृति लाने का स्तुत्य प्रयास किया। उनका लोक साहित्य और महान व्यक्तित्व युवाओं को श्रेष्ठ साहित्य रचना और सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा

प्रसिद्ध लोककवि एवं भजनोपदेशक शिवचरण का जन्म 9 मार्च 1929 को फाल्गुन मास की त्रयोदशी को महाशिवरात्रि के दिन दिल्ली देहात के ऐतिहासिक गांव नांगल ठाकरान में हुआ। शिवरात्रि के दिन जन्म होने के कारण ही इनका नाम शिवचरण रख दिया गया। इनके पिता का नाम मलूक राम तथा माता का नाम प्रेमकौर था। चार वर्ष की आयु में ही पिता का साया इनके सिर से उठ गया और इनका पालन-पोषण इनके पितृव्य निहालचंद 'निहाल' द्वारा किया गया। गौरतलब है कि निहालचंद 'निहाल' अपने समय के प्रसिद्ध लोककवि एवं लोकनाट्यकार (सांगी) थे। उनका संरक्षण प्राप्त होने के कारण बचपन से ही इनके मन में संगीत के प्रति गहरा लगाव पैदा हो गया। इन्होंने आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की।

पंद्रह-सोलह वर्ष की आयु में इनकी दिल्ली क्लाथ मिल में नौकरी लग गई। जहां संयोग से इन्हें संगीत का शौक एवं जानकारी रखने वाले कई सहयोगी मिल गए। अब इनके पास जब भी खाली समय होता था, ये सभी वहीं अपना गायन, वादन का अभ्यास कर लेते थे। कुछ समय बाद इन्होंने अपनी पूरी भजन-मंडली बना ली। इनके कार्यक्रमों में अधिकतर देशभक्तिपूर्ण, आध्यात्मिक व शिक्षाप्रद भजन व रागनी होते थे। इनके कार्यक्रमों का लोगों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता था। इसके साथ-साथ ये समाजसेवा के कार्यों में भी अत्यधिक रुचि रखते थे। कुश्ती के शौकीन, मीठी-वाणी और परोपकार की प्रवृत्ति रखने वाले शिवचरण विशाल हृदयी थे तथा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' में विश्वास रखते थे। एक बार गांव नांगल ठाकरान में उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए कुएँ में गिरे एक बच्चे को बचाया तो दूसरी बार किसी कारण से दो गुटों में बंटे मांढोठी गांव के ग्रामीणों को एक स्थान पर बुलाया और उनके गिले-शिकवे दूर करवाए। जिससे सारा गांव दोबारा एकजुट हो पाया। इस पर गांव के प्रधान ने इनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि महाशय जी, आज आपने हमारे गांव को टूटने से बचा लिया। इस सुकृत के लिए हमारा गांव सदा आपका ऋणी रहेगा। इस प्रकार के अनेक प्रसंग इनके नाम के साथ जुड़े हुए हैं। लोककवि शिवचरण एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी थे। अपने पितृव्य एवं गुरु निहालचंद 'निहाल' की तरह इनके कंठ में भी मां सरस्वती का वास था। इनका गाना सुनकर श्रोता आत्मविभोर हो उठते थे। वस्तुतः इनके तीन गुरु थे। पहले, निहालचंद 'निहाल' जिनसे इन्होंने काव्य रचना और गायन विधा का ज्ञान प्राप्त किया। दूसरे, बिजवासन निवासी भूपसिंह जिनसे इन्होंने हारमोनियम बजाना सीखा और तीसरे स्वामी परमहंस, जो इनके आध्यात्मिक गुरु थे। इनकी अपने तीनों गुरुओं के प्रति अगाध श्रद्धा थी। अग्रदत्त पंक्तियों में इनके तीनों गुरुओं का वर्णन किया गया है-

'निहाल' भूपसिंह परमहंस जी तीनों को गुरु मान लिया।
गाणा और बजाणा लिखणा ब्रह्मविद्या का ज्ञान लिया।
खूब कर्या प्रचार ज्ञान का दूध और पाणी छान लिया।
सही बात है सही आदमी फेर लोगां नै भी जान लिया।
देश धर्म केगाणे मैं ला अपनी उम्र तमाम गए।।
छोड़ दिया परिवार नार संसार पहुँच धुर धाम गए।।

लोकगायकों और सांगियों में अपने गायन के श्रीगणेश में मंगलाचरण व गुरु-स्मरण की परंपरा देखने को मिलती है। वे भी अपने कार्यक्रम का आगाज इसी प्रकार करते थे। उदाहरण के लिए मां भवानी की भेंट के कुछ अंश प्रस्तुत हैं-

अजब तेरी शान का री, कोन्या भेद किसी नै पाया।।
कहै शिवचरण सभा मैं आओ, माई गाणे मैं रंग बरसाओ, मुझ मूर्ख को सही बताओ,
रास्ता ज्ञान का री, ध्यान मनै थारे चरणां मैं लाया॥

लोककवि शिवचरण के व्यवहार, चरित्र एवं जन्मस्थली आदि के सन्दर्भ में उनके परिजनों एवं पुरजनों से प्राप्त जानकारी के साथउनके काव्य से भी इसकी यथेष्ट जानकारी मिलती है। जैसे-

शिवचरण नै थारा विश्वास सै,
मन मैं पूरी - पूरी आस सै,
मेरा खास सै नांगल गाम, सच्चा धाम,
मुख से नाम,राम जी का टेरा जी।।

उनके काव्य में लोकाचार के दर्शन होते हैं। लोकजीवन में कन्यादान को सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है, जो व्यक्ति अपनी जवान बेटी का विवाह समय पर नहीं कर पाता तो उसकी निंदा होती है। अतः लोकनिंदा से बचने के लिए

कविवर शिवचरण जीवनभर लोकरंजन एवं लोकमंजन के लिए काव्य-साधना और लोकसंस्कृति के प्रचार-प्रसार में जुटे रहे

द्रौपदी की माँ राजा द्रुपद से अपनी बेटी के हाथ पीले करने का अनुरोध करती है। वह राजा को उसके कर्त्तव्य का बोध इस प्रकार करवाती है-

स्याणी बेटी-भाण कंवारी, ना ठीक बाप के घर पै।
गृहस्थ-धर्म की रीत पुराणी, फर्ज बाप के सिर पै।।

हमारी संस्कृति की बिसात तप, त्याग, दया, धर्म, पुण्य, दान आदि अनेक उदात्त तत्त्वों से बुनी गई है। गृहस्थ आश्रम को सब से श्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि अन्य सभी आश्रम इसी पर आधारित हैं। कवि ने समाजोपयोगी लोकाचार को अपनाने का उपदेश इस प्रकार दिया है-

दया धर्म और शील-सुभा लक्ष्मी का वास कहैं सैं।
इस गृहस्थ धर्म नै वेद-शास्त्र, भक्ति खास कहैं सैं।।
अपणा-अपणा फर्ज समझ कै, पूरा प्रण निभावैं।
माँ-बाप करैं सो बेटा-बेटी, न्यूँ दुनिया कहती आवै।
मात-पिता का फर्ज बालकाँ तै, आच्छी बात सिखावै।
लिखा-पढ़ा कै करैं श्यामर्थ, जिन्दगी सफल करावै।

लोकजीवन में श्रद्धा-भक्ति की मन्दाकिनी अबाध गति से प्रवहमान है। अशिक्षित एवं अर्धशिक्षित लोगों की धर्म एवं भक्ति में अगाध आस्था है। इन्होंने लोकमानस की इस आस्था को बनाए रखने एवं इसे और पुष्ट करने के लिए लोगों को इस प्रकार सचेत किया है-

नहीं मरे का शोक किसे नै, बिरथाए जिंदगी खो चाल्या।
लोक परलोक बिगाड़े दोनों ना मनुष जन्म हर बार मिलै।।
निहालचंद सतगुरु के संग मेरा जन्म-जन्म का नाता है।
पूरी शक्ति मिलै गुरुमुख नै जो शरण गुरु की जाता है।
भक्ति-दान गुरु से मिलता वो ब्रह्मविद्या का दाता है।
जिस पै मौज गुरु की होज्या वो परमगति को पाता है।
शिवचरण पै मेहर फेर दयो जो सार शब्द का तार मिलै।।

लोककवि शिवचरण की रचनाओं में जीवन के सभी आयाम सहज रूप से उद्घाटित हुए हैं। सामाजिक सरोकारों एवं नैतिक मूल्यों के साथ-साथ देशप्रेम की भावना भी उनके काव्य में हिलोरें मार रही है। सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध के उपरान्त दिल्ली में कड़ेखां नामक स्थान पर तत्कालीन लोककवियों के मध्य देशप्रेम के गीतों से सम्बद्ध एक प्रतियोगिता हुई, जिसमें इनके अग्रदत्त राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत गीत को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ-

भारत माँ के पूत ऊठ इब, देर तनै क्यूँ लाई।
पाकिस्तान मानता ना करी हिन्द नै बहोत समाई।।

पुराने समय में नैतिक मूल्यों की बड़ी कद्र थी। बड़े-बूढ़ों का आदर सम्मान था लेकिन समय ने करवट बदली और समाज का सारा ताना-बाना बिखरने लगा। ऐसी भयंकर स्थिति को देखकर कविवर शिवचरण का मन अकुला उठा। समाज को दशा एवं दिशा दिखाती उनकी अग्रदत्त रचना की एक-एक पंक्ति गौर करने लायक है-

कई लड़की हों जिस माणस कै, उसकी श्यामत आवै सै।
लड़का देखण की सोचै जब, पहल्याएँ घबरावै सै।
बेशक लड़का अनपढ़ हो पर, उलट-पुलट बतळावै सै।
नगद दान लाखों मैं पोंहचै, अर कार - स्कूटर चाहवै सै।
फेरे लेकै दें छोड़ फेर भी, न्यूँ जीणा दुश्वार होया।।
सतपुरुषों की कद्र रही ना, झूठ्याँ का विस्तार होया।।

जीवन के अंतिम वर्षों में इनका अधिकतर समय हरि भजन में व्यतीत होने लगा। स्वर्गवास से कुछ दिन पहले अचानक इनका स्वास्थ्य ज्यादा खराब हो गया। दवाइयों ने भी कोई असर नहीं दिखाया। 10 जनवरी 1997 को सवेरे के समय इनके सुपुत्र रामबीर सिंह 'राम', पास बैठे थे, उनको परोपकार, समाजसेवा और अन्य शुभ कार्यों के लिए प्रेरित किया और अपनी एक प्रसिद्ध रचना की निम्नलिखित पंक्तियां सुनाते हुए परमधाम के लिए प्रस्थान कर गए-

दान-पुण्य करणे तै मनुष की कला सवाई होज्या।
बणा कुएं बाग स्कूल धर्मशाला सफल कमाई होज्या।
धर्म - कर्म नहीं छुपै कुटुंब की मान-बड़ाई होज्या।
शिवचरण वरदान मिलै खुश दुर्गे माई होज्या।
सतगुरुजी की मेहर फिरै जब शिष्य नै पास कहैं सैं।।

कविवर शिवचरण जीवनभर लोकरंजन एवं लोकमंजन के लिए काव्य-साधना और लोकसंस्कृति के प्रचार, प्रसार में जुटे रहे। उन्होंने लोक-कल्याण में अपना सारा जीवन लगा दिया। इनके निधन के उपरान्त इनके अनेक शिष्य इनकी परम्परा को आगे बढ़ा रहे हैं, जिनमें सुरेश रोहिल्ला, महेन्द्र सिंह व रामबीर सिंह 'राम'प्रमुख हैं। इनके सुपुत्र रामबीर सिंह 'राम' उनके ही संस्कारों से आज हरियाणवी साहित्यकारों में उच्च सम्मान पाते हैं। 'राम' विशेष रूप से काव्य-रचना में सक्रिय हैं। उन्होंने कविराज शिवचरण के जीवनवृत्त को एक भजन के रूप में प्रतिपादित किया है। उसके कुछ अंश पेश हैं-

पिता छोड़ कै चल्या गया मनैं ढूंढ्या बहोत मिल्या कोन्या।
साच बताऊँ तात बिना कदे मन का चमन खिल्या कोन्या।
सिर पै धर दिया हाथ साथ ले रामबीर का प्रणाम गए।।
छोड़ दिया परिवार नार संसार पहुँच धुर धाम गए।।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि लोककवि शिवचरण अपने समय के एक सशक्त हस्ताक्षर थे। जिन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से जनमानस में एक नई जागृति लाने का स्तुत्य प्रयास किया। उनका लोक साहित्य और महान व्यक्तित्व युवाओं को श्रेष्ठ साहित्य रचना और सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा, ऐसा हमारा विश्वास है।

कुण्डलिया **सत्यवीर नाहड़िया**

फाग्गण खूग्या वो दिखे...

न्यारी होवै थी कदे, फाग्गण की सौगात।
इब फाग्गण की ना रह्यी, पहलम आळी बात।
पहलम आळी बात, रात नै गाया करते।
बजा नगाड़े-ढप्प, चुगरदे छाया करते।
बड़ी-बूढ़ळी साँग, काढ़ती मिलकै सारी।
रात चाँदणी बीच, छटा होवै थी न्यारी।।

त्यारी डांडे तै सदा, होया करती खास।
भाईचारा आपसी, आया करता रास।
आया करता रास, आस नित नयी जगाते।
ढाल-बिड़कले गैल, कूकड़ी भोत बणाते।
ऊँच्ची होळी रोज, बणाते मिलकै भारी।
गाकै होळी भोत, हुवै थी न्यारी त्यारी।।

फाग्गण खूग्या वो दिखे, नहीं बच्यी वै बात।
भाईचारा ना रह्या, बदल्ये न्यूँ हालात।
बदल्ये न्यूँ हालात, टांड पै धरे नगाड़े।
गोबर-गारा गैल, धुत्त हो करते खाड़े।
चाल्ली पछवा पौन, रीत न्यूँ लाग्ये त्यागण।
गूँज्या करता भोत, रात चाँदण म्हैं फाग्गण।।

कविता **इंद्र सिंह लांबा**

हर की भूमि

धन्य धन्य धरा हरियाणा हर की भूमि कहलाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

श्री कृष्ण नैं कर्म करण की जो बात कही सै गीता मैं।
यहां कर्मठता से दिखा दिया विश्वास उन्हीं की रीता मैं।
यहां तीज त्यौहार हंस खिल के आते, रहणा प्यार प्रीता मैं।
सांझ ढले चौपाल बैठकर जिक्र चालैं मीता मैं।

खेल खिलाड़ी म्हारे अगाड़ी, धरती मां इतराती है।
ज्ञानी, ध्यानी, वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

सूरदास और ऋषि दयानंद यहां हुए तपधारी थे।
नाहर सिंह और तुला राव सदा अंग्रेजों पर भारी थे।
नेकीराम और श्रीराम शर्मा आजादी के पुजारी थे।
चंदगी राम और लीलाराम बड़े पहलवान बलकारी थे।

शिवालिक और अरावली पर्वत चोटी दिखलाती है।
ज्ञानी ,ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां ,लिखवाती है।
ढ़फ, ढ़ोल , नगाड़े बाजैं जोगी सारंगी पर गाते हैं।
वीरों का इतिहास सुना हर दिल में जोश जागते हैं।।

पावन पवित्र स्थल देखने लोग दूर से आते हैं।
पेहवा, फल्गु, कुरुक्षेत्र भक्तों के बंध रहे तांते हैं।
सतलुज, यमुना, सरस्वती धरती की प्यास बुझाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

सांगी,भजनी,प्रचारक तत्काल मेरे हरियाणा मैं।
कवि मोहर सिंह ,बख्तावर, नंदलाल मेरे हरियाणा मैं।
लखमी , मांगे, बाजे ,धनपत, निहाल मेरे हरियाणा मैं।
फिल्म निर्देशक प्रभाकर, यशपाल मेरे हरियाणा मैं।।

नई बुलंदी छूणे के संस्कार हमें सिखलाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।
कहे इंद्र लाम्बा नर और नारी मिल के खेत कमाते हैं।
तारों की छाया में जाते तारों की छांव आते हैं।।

बढ़िया खेती बाड़ी सोना बालों में उपजाते हैं।
सादा रहणा सहणा और दूध, दही , घी खाते हैं।
तेरा वंदन तेरा पूजन दुनिया शीश झुकती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक **करीब 150 वर्ष के दौरान विभिन्न परिवर्तनों के दौर से गुजरा है हरियाणा**

कई विलय, विघटन के बाद बना वर्तमान हरियाणा

इतिहास **यशपाल गुलिया**

कुछ जागरूक एवं जिज्ञास पाठकों ने मेरे पिछले लेख बारे प्रश्न उठाया कि हरियाणा तो पंजाब से बना है। ऐसे पाठकों के ज्ञानवर्धन के लिए मैं 150 वर्ष के विभिन्न परिवर्तनों के बारे में अवगत करवा देता हूं। वर्ष 1802 में नवस्थापित हरियाणा राज्य का आयरिश शासक तो स्वर्ग सिधार गया, लेकिन अगले ही वर्ष 1803 में दिल्ली पर अंग्रेज सत्ता स्थापित हो गई।

उन्होंने दिल्ली के तीन तरफ स्थित क्षेत्र को विभिन्न रियासतों व नवाबियों में वितरित कर दिया। जॉर्ज थॉमस द्वारा गठित हरियाणा प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्र को झज्जर रियासत व दुजाना रियासतों को प्रदान कर दिया। जैसे झज्जर रियासत में नारनौल, महेन्द्रगढ़, कांटी तथा बावल तक का क्षेत्र दे दिया गया। वहीं, दुजाना नवाब को नाहड़, भिवानी, हांसी, हिसार तक क्षेत्र दिया गया, जिसका उसने 1809 में स्वेच्छा से परित्याग कर दिया। अंग्रेजों ने दिल्ली पर अधिकार करने के बाद अन्य नई रियासत मेवता, पटौदी व लौहारु आदि भी बना डाली। जबकि अंग्रेज शासक से पहले कायम रजवाड़े, नवाबी आदि यथावत बने रहने दिए। क्योंकि उन्होंने न केवल अंग्रेज प्रभुसत्ता को सहर्ष स्वीकार किया बल्कि अंग्रेजों की हर प्रकार से सहायता भी की, जैसे फरुखनगर, बल्लभगढ़, बहादुरगढ़, झाड़सा, कुन्जपुरा, जीन्द, कैथल, नारायणगढ़, रानियां आदि रजवाड़े पहले से स्थापित हो चुके थे। इस तरह जॉर्ज थॉमस द्वारा स्थापित हरियाणा राज्य का नाम तब लुप्त

अंग्रेजों ने 1804 में झज्जर रियासत बनाई थी। रियासत का यह महल अब गिरा दिया गया है।

प्राय हो गया। अंग्रेजों ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत 1810 के बाद वर्तमान हरियाणा क्षेत्र में नये जिले बनाने की प्रथा भी आरम्भ कर दी थी और तब पंजाब सतलुज नदी के पार वाले क्षेत्र को कहा जाता था जिसकी राजधानी लाहौर थी। उस समय पंजाब का शक्तिशाली शासक महाराजा रणजीत सिंह था, जिससे अंग्रेजों ने चालाकी पूर्ण सन्धि कर ली थी। अर्थात महाराजा के जीवित काल वर्ष 1839 तक तो अंग्रेज लाहौर तक नहीं गए लेकिन उसके बाद वर्ष 1849 तक सिखों से कई युद्ध करके समस्त पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) पर अधिकार कर बैठे। उसके कुछ वर्षों बाद स्वाभिमानी भारतीय सैनिकों ने 1857 का विद्रोह कर दिया और चार माह तक दिल्ली अंग्रेजों से मुक्त हो गई थी। परन्तु सत्तालोलूप कुछ पंजाब शासकों ने अंग्रेजों को सैन्य सहायता देकर दिल्ली पर उनका शासन फिर से कायम करवा दिया।

वर्ष 1858 से अंग्रेजों ने भी प्रशासनिक परिवर्तन करके न केवल वर्तमान हरियाणा क्षेत्र बल्कि दिल्ली को भी एक जिला बनाकर पंजाब सूबे के तहत कर दिया तब पंजाब सूबे की राजधानी लाहौर में थी तथा दिल्ली, वर्तमान हरियाणा व हिमाचल क्षेत्र सहित 32 जिलों का राज्य बना दिया था। उसके बाद वर्ष 1912 से दिल्ली को पंजाब से अलग कर दिया गया क्योंकि अंग्रेजों ने 1912 से कलकत्ता से राजधानी दिल्ली स्थानांतरित कर दी थी। लेकिन हरियाणा व हिमाचल को 1966 से ही अलग राज्यों का दर्जा प्राप्त हो सका। अर्थात नए हरियाणा का उदय वर्ष 1966 में एक नवंबर को हुआ।

विशेष : लेखक ने शोध शैली की विभिन्न पुस्तकें लिखी हैं।

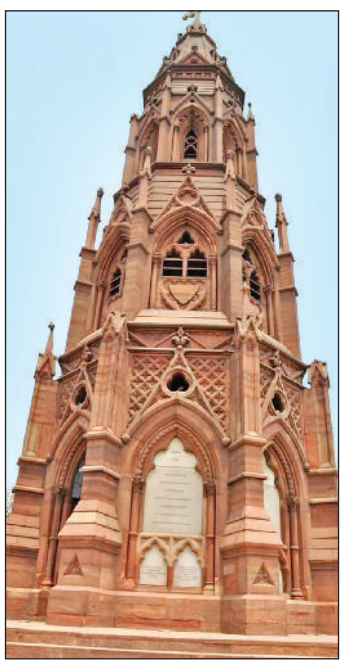

अंग्रेजों द्वारा दिल्ली में बनाया गया 1857 का स्मारक।

संस्कृति संवर्धन में कला की अहम भूमिका : प्रदीप जेलपुरिया

कलाकार **ओ.पी पाल**

हरियाणा की समृद्ध संस्कृति को संजोए रखने के लिए लोक कलाकार अलग-अलग विधाओं में अलख जगा रहे हैं। सूबे के लोक कलाकारों और गीतकारों ने देश में ही नहीं, वरन् विदेशों में भी अपनी छाप छोड़ी है। ऐसे ही विख्यात कलाकार प्रदीप जेलपुरिया ने मिमिक्री और मंच संचालन के साथ अपने गीतों की बेहतरीन प्रस्तुतियों से लोकप्रियता हासिल की है, वहीं वह जेल विभाग में सेवा देते हुए कैदियों को भी संस्कृति और संस्कारों की सीख दे रहे हैं। मिमिक्री के साथ रागनी गायन, एंकरिंग, कविता लेखन के माध्यम से सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और खेल जैसे समारोह में एंकरिंग की भूमिका में बुलंदियां छू रहे कलाकार प्रदीप जेलपुरिया ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान अपनी कला के सफर में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें अपनी संस्कृति का संवर्धन करना उनकी कला की प्राथमिकता है।

हरियाणा के विख्यात मिमिक्री कलाकार प्रदीप जेलपुरिया का जन्म जिला झज्जर के शहर बहादुरगढ़ में 29 दिसंबर 1983 को दलीप सिंह और कृष्णा देवी के घर में हुआ। उनके पिता एक सरकारी स्कूल में अध्यापक और माता गृहिणी के रूप में परिवार की जिम्मेदारी संभालते रहे हैं। परिवार में भले ही साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल न हो, लेकिन उनकी माता पड़ोसियों की जिस अंदाज में मिमिक्री करती थी, उसका प्रभाव बचपन में ही प्रदीप पर पड़ने लगा। इसी कारण उन्हें

बचपन में ही अभिनय जैसी कला में अभिरुचि हो गई थी और वह एक्टरों की मिमिक्री करने लगे। प्रदीप की प्राथमिक शिक्षा सरकारी स्कूल एवं माध्यमिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय रेवाडी से हुई। जबकि बीए दिल्ली विश्वविद्यालय के अंबेडकर कालेज और एमए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से उत्तीर्ण की। बकौल प्रदीप जेलपुरिया, वह स्कूली शिक्षा के दौरान नाटकों में मंचन और मिमिक्री करने लगे। जब वह सातवीं कक्षा में थे तो उन्होंने पहली बार अपने प्रिंसिपल की मिमिक्री की, इस पर प्रिंसिपल ने उसे डांटने या पीटने के बजाय इस कला के लिए प्रोत्साहित किया। वह स्कूल के कार्यक्रमों में नाटकों में अभिनय मंचन और मिमिक्री करने लगे। उन्होंने बताया कि एमडीयू में एमए के दौरान पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित आल इंडिया पुलिस गेम (घुड़सवारी) में उन्होंने बतौर एंकर की भूमिका निभाई। उनकी उपलब्धियों को देखकर ग्रैपलिंग गेम में कल्चरल अफेयर्स का निदेशक बनाया गया, जिसके तहत उन्होंने ग्रैपलिंग गेमों में कई वर्ष एंकरिंग की। इसके अलावा झज्जर बहादुरगढ़, रोहतक, रेवाडी, फरीदाबाद एवं नूहं के गीता महोत्सव में भी एंकरिंग की। एंकरिंग के साथ हरियाणवी संस्कृति को संजोए रखने के लिए मुहिम छेड़ी और हरियाणा रागनी का मंचन भी किया और हरियाणवी गाने '70 का हरियाणा' में भी भूमिका निभाई। गत वर्ष 2024 में विशाखापटनम, राजीव गांधी स्टेडियम दिल्ली, छत्रसाल स्टेडियम दिल्ली एवं तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एंकरिंग एवं हरियाणवी गानों से सबका मन मोहा है। इनका कहना है कि हरियाणवी बोली और संस्कृति का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करना उनकी प्राथमिकता है। जीवन में उतार चढ़ाव आते हैं, लेकिन उन्होंने उस हालातों में भी हौसला नहीं खोया, जब कुछ साल पहले पैरालिसिस के कारण उनका चेहरा खराब होने लगा था। उनकी विभिन्न कलाओं का फोकस हरियाणवी संस्कृति और संस्कारों पर रहता है।

पुरस्कार और सम्मान

अभिनय, गीतों और लेखन के साथ मिमिक्री की कला में विख्यात होते कलाकार प्रदीप जेलपुरिया को कालेज शिक्षा के दौरान दिल्ली यूनिवर्सिटी आंबेडकर कॉलेज से सर्वश्रेष्ठ मिमिक्री अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें हरियाणा गौरव पुरस्कार, झज्जर गौरव पुरस्कार के अलावा गृह विभाग के एसीएस विजय वर्धन और जेल महानिदेशक भी पुरस्कार से नवाज चुके हैं। इसके अलावा उन्हें विभिन्न मंचों से अनेक पुरस्कार व सम्मान मिले हैं।

कैदियों को दे रहे हैं संस्कृति की सीख

कलाकार प्रदीप जेलपुरिया का साल 2003 में जेल विभाग में सिपाही के पद पर चयन हुआ। नौकरी के बावजूद उनकी कलाकारी का जज्बा जीवित रहा। जेल के माहौल में रहकर उन्होंने कविता लिखना शुरू किया और जेल में कैदियों को संस्कृति और संस्कार देने का काम शुरू कर दिया। विभाग ने भी उनकी कला को देखते हुए उनकी ड्यूटी बतौर म्यूजिक इंचार्ज जेल रोहतक में कर दी। फिलहाल उनकी ड्यूटी मेवात जेल में हैं। वह समाज को नई दिशा देने के मकसद से संस्कृति के लिए हरियाणवी में कार्यक्रम भी करते आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

नारनौल। ध्वज के साथ प्रभातफेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

शहर में निकाली निशान यात्रा

नारनौल। प्रभातफेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को श्रीश्याम निशान के साथ श्री चामुण्डा देवी मन्दिर से 129वीं प्रभात फेरी निकाली गई। मुख्य यजमान स्वयं श्रीश्याम बाबा रहे व प्रभात फेरी संगठन परिवार के सभी सदस्यों से ठाकुर जी व निशान पूजन करके प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। प्रभात फेरी समिति के संस्थापक घनश्याम गर्ग व संरक्षक चेतन जिंदल के नेतृत्व में आयोजित की गई। प्रभात फेरी में संदीप गोयल, रजनी गर्ग, रश्मि गोयल, जया अग्रवाल ने राधा कृष्ण के धुन से प्रभात फेरी का शुभारंभ किया।

भक्तजन राधा नाम संकीर्तन करते हुए मां चामुण्डा देवी मन्दिर से चलकर आजाद चौक, गौड़ ब्राह्मण सभा, महता चौक, सुभाष स्टेडियम, सैनी धर्मकांटा होते हुए श्रीश्याम मन्दिर जौरासी धाम पर पहुंचकर संपन्न हुई। रास्ते में धर्म प्रेमी बंधुओं ने श्रीराधा नाम संकीर्तन प्रभात फेरी का स्वागत पुष्प वर्षा व आरती करके किया। संस्था के संस्थापक घनश्याम गर्ग ने बताया कि यात्रा में ठाकुर जी अर्पण की गई।

मिश्रीदेवी आश्रम स्थित कार्यालय में हुआ होली मिलन समारोह

वरिष्ठ नागरिकों ने मासिक बैठक में एडीसी के साथ मनाई पुष्पक होली

अतिरिक्त उपायुक्त को चंदन तिलक लगाकर वरिष्ठ नागरिकों ने फूलों से होली खेली और इस पर्व को बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। एडीसी डा. आनंद शर्मा का स्वागत करते वरिष्ठ नागरिक।

वरिष्ठ नागरिक संगठन की ओर से किला रोड स्थित मिश्रीदेवी आश्रम स्थित कार्यालय में मासिक एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला नगर आयुक्त डा. आनंद शर्मा मुख्य अतिथि थे। मासिक बैठक की परम्परानुसार इस मास जिन सदस्यों का जन्मदिन आता है, उन उपस्थित सदस्यों सरदार जोगिंद्र सिंह चहल, रामचंद्र जोशी, शिवहरि अग्रवाल, मुखराम सैनी, सत्यनारायण गुप्ता, धर्मपाल शर्मा, गिरधारीलाल दायमा, रामजीलाल मित्तल और पुरुषोत्तम दास कंछल को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मान पट पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना की गई। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा सरस्वति मां व साध्वी बहन मिश्री देवी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित किया गया।

संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा व संरक्षक अजीत प्रकाश जैन द्वारा मुख्य अतिथि को बुक्के भेंट करके उनका संगठन कार्यालय में पधारने लिए स्वागत व अभिनन्दन किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त को चंदन तिलक लगाकर वरिष्ठ नागरिकों ने फूलों से होली खेली और इस पर्व को बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया। संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महेन्द्रगढ जिले को डा. आनन्द शर्मा अतिरिक्त उपायुक्त के रूप में एवं डा. पूजा वशिष्ठ जिला पुलिस अधीक्षक के रूप में अपने दो रत्न दिए हैं। जो निरन्तर अपने-अपने क्षेत्र में बड़ी मेहनत व लगन से जनता की सेवा कर रहे हैं। एडीसी आनंद शर्मा ने संगठन का आभार प्रकट किया तथा कहा कि किसी भी समस्या के लिए वे सीधे उनके कार्यालय में किसी भी समय मिल सकते हैं, उनकी समस्या का निराकरण अवश्य किया जाएगा। यह संगठन जब कभी भी अपने किसी कार्यक्रम में बुलाएगा, वह अवश्य शामिल होंगे। इस बैठक में जो समस्याएं नोट करवाई गई, उनकी सूची निराकरण के लिए मुख्य अतिथि को सौंप दी गई, जिनमें प्रमुख रूप से कई स्थानों पर सीवर ढक्कन टूटे होने, पुराने मकानों के विकास शुल्क, डिवाइडर बनवाने, दिन में जलती लाइटें, प्रोपर्टीज का सर्वे घर–घर से करवाने, दयानगर में एक मैरिज पैलेस ने अपने सीवर का कनेक्शन गन्दे नाले में छोड़ दिया है, को बंद करवाने, लोकल श्री व्हीलर ऑटो द्वारा किराया दोगुना करने को कम करवाने, सुभाष पार्क में रेनोवेशन के दौरान शौचालय की व्यवस्था करने, नई बन रही सड़कों पर सफेद लाइन व नाली का प्रावधान, बिजली की लटकती तारों को ऊंची करवाने आदि शामिल हैं, की सूची बनाकर उन्हें दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि को शाल व मोमेंटो भेंट करके उन्हें सम्मानित किया गया। बैठक का संचालन संगठन के महासचिव मुखराम सैनी ने किया।

यह रहे मौजूद

इस समारोह में रविन्द्र चौधरी, सुरेश भारद्वाज, राजकुमार चौधरी एडवोकेट, सोहनलाल चौहान, राजकुमार गुप्ता, शिवलाल वर्मा, मास्टर भागीरथ, मास्टर जयदयाल, सुरेश जांगिड़, विजय सिंह रहीश, नरेंद्र धौलिया, डा. मक्खन लाल तंवर, नगर पार्षद संदीप जैन, धर्मचन्द छाबड़ा, वरिष्ठ एडवोकेट सुरेन्द्र संघी, हरिद्वारीलाल वर्मा, बद्री प्रसाद गर्ग, उमादत्त शर्मा, महेन्द्र कुमार शर्मा, अशोक डोरा, पीसी जैन, दयाराम सैनी, उत्तमसिंह यादव, सुभाष सिंघल, रोहतास सिह लाम्बा, महाबीर प्रसाद अग्रवाल, बालकिशन, रामनिवास सैनी, रामविलास यादव, मंजीत सिंह एवं बजरंग लाल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

बीएनडी स्कूल में हुई स्कॉलरशिप परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यालय में परीक्षा देने आए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बीएनडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोदड़ा में रविवार को स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्राइवेट विद्यालयों के 2579 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक क्षमताओं को पहचानकर उन्हें विद्यालय में प्रवेश पाने पर विशेष छात्रवृत्ति प्रदान करना था। विद्यालय परिसर में आयोजित इस परीक्षा के दौरान प्रतिभागियों का उत्साह देखने लायक था। परीक्षा के उपरांत सभी विद्यार्थियों को रिफ्रेशमेंट और रिटर्न गिफ्ट देकर प्रोत्साहित किया गया।

चेयरमैन विजयपाल यादव ने कहा कि इस परीक्षा के माध्यम से छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर सम्मानित किया जाता है, जिससे वे आगे और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हो। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा विद्यार्थियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतरीन मंच है। प्रिंसिपल हनुमंत शर्मा ने कहा कि बीएनडी विद्यालय हमेशा से ही छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने बताया कि विद्यालय के हजारों विद्यार्थी अब तक सरकारी नौकरी में चयनित हो चुके हैं, जो संस्थान की गुणवत्ता और शिक्षण प्रणाली का प्रमाण है। इसके अतिरिक्त विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रबंधन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजन की निरंतरता बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई।

धोली गांव में जागरूकता शिविर आयोजित

महेंद्रगढ़। गांव धोली में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एडवोकेट सुमन पालड़ी, महिला एवं विकास विभाग से सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत की महिला पंच और महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में एडवोकेट सुमन पालड़ी ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में बताया, जो महिलाओं के सशक्तिकरण में सहायक हैं। उन्होंने घरेलू हिंसा, संपत्ति अधिकार, शिक्षा और कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनों पर भी प्रकाश डाला। शिविर में उपस्थित महिलाओं ने भी अपनी समस्याएं साझा की और उनके समाधान के लिए सुझाव प्राप्त किए। ग्राम पंचायत की महिला पंचों ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में मदद करते हैं।

महेंद्रगढ़। विद्यालय में परीक्षा देने आए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी में करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सेमिनार में मौजूद अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में करियार कांउसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डा. अनंत शर्मा ने की। मुख्यातिथि, करियर काउंसलर अक्षय पारीक, दीपा जैन, संस्था के फाउंडर डायरेक्टर राजेन्द्र सिंह, डायरेक्टर विजय सिंह यादव, विद्यालय की निदेशिका सुरेश यादव, विद्यालय के प्राचार्य व उप प्राचार्य नरेश यादव ने विद्या की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इसके बाद करियर काउंसलर अक्षय पारीक द्वारा ब्रैन मैपिंग तथा अत्याधुनिक तकनीकी से बच्चों की कुशलता तथा कुशाग्रबुद्वि का आकलन कर करियर के नये आयाम तथा प्रतिभा अनुसार अपना लक्ष्य चुनने के बारे में बच्चों व उनके अभिभावकों को विस्तार से बताया। करियर काउंसलिंग एक ऐसी प्रक्रिया है, जो आपको करियर, शिक्षा व जीवन के फैसले लेने के लिए खुद को और दुनिया को जानने व समझने में मदद करती है। यह छात्रों को सही करियर पथ चुनने और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। विकसित देश इस तकनीकी का प्रयोग करके छात्रों को उनके सही लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम योगदान प्रदान कर रहे हैं। इस प्रकार के सेमिनार से बच्चों पर तनाव कम होता है तथा अभिभावकों को भी उनकी अभिरूचि के बारे में जानने में मदद मिलती है।

अभिभावकों ने भी अपनी शंका दूर करने के लिए अनेक प्रश्न पूछे। उन्होंने सेमिनार की प्रंशसा की और कहा कि इस प्रकार के सेमिनार होते रहे, जिससे बच्चों को तनाव मुक्त माहौल मिल सके। संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि आज यदुवंशी के छात्र देश विदेश में आईएएस, आईपीएस, जज, अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर व सीए बनकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने संस्था में आए सभी अतिथिगणों का आभार व्यक्त किया।

सिंघानिया विश्वविद्यालय में सार्वजनिक पुस्तकालय और अध्ययन केंद्र लोकार्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सिंघानिया विश्वविद्यालय में एक अत्याधुनिक सार्वजनिक पुस्तकालय का लोकार्पण किया गया। इस दौरान सिंघानिया विश्वविद्यालय चेयरमैन रवि सिंघानिया ने पुस्तकालय का उद्घाटन किया। समारोह की अध्यक्षता पचेरी बड़ी के पूर्व सरपंच ओमप्रकाश बोहरा ने की। इस पुस्तकालय में साहित्य, विज्ञान, इतिहास, तकनीक और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी से संबंधित पुस्तक उपलब्ध करवाई जाएगी। यह सुविधा छात्र, शोधकर्ता और आम जनता के लिए निःशुल्क होगी। विश्वविद्यालय चेयरमैन रवि सिंघानिया ने कहा कि ज्ञान और शिक्षा समाज की प्रगति के आधार हैं। यह पुस्तकालय विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। हमारा प्रयास है कि इसे डिजिटल अध्ययन की सुविधाओं से भी सुसज्जित किया जाए, जिससे ज्ञानार्जन और आसान हो सके।

महेंद्रगढ़। पुस्तकालय का रिबन काटकर उद्घाटन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विश्वविद्यालय अध्यक्ष व रिटायर्ड आईएएस डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं, बल्कि विचारों और नवाचार का केंद्र होता है। यह पुस्तकालय विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होगा और उन्हें नई संभावनाओं की ओर प्रेरित करेगा। कैंपस डायरेक्टर प्रोफेसर पीएस जस्सल ने कहा कि हमारा लक्ष्य शिक्षा को हर छात्र तक पहुंचाना है। यह पुस्तकालय न केवल अकादमिक ज्ञान बल्कि व्यावहारिक ज्ञान सीखने का भी एक माध्यम बनेगा। वाइस चेयरमैन सोनम सिंघानिया ने कहा कि लाइब्रेरी आधुनिक युग की आवश्यकता है, जिसके माध्यम से हर बच्चा स्वतंत्र रहकर शिक्षा ग्रहण कर सकता है। इस विषय में हमने यह लाइब्रेरी खोलकर क्षेत्र के लोगों को एक अनूठी सौगात प्रदान की है जिसका लाभ हर व्यक्ति को उठाना चाहिए। सिद्धार्थ सिंघानिया ने कहा कि लाइब्रेरी में छात्र स्वतंत्र शिक्षा ग्रहण करता है, जबकि कक्षा में जो विषय अध्यापक पढ़ाता है वही पढ़ना पड़ता है, लेकिन लाइब्रेरियन में वह स्वतंत्र रहकर शिक्षा ग्रहण कर सकता है तथा मनमर्जी की पुस्तक पढ़ सकता है। पूर्व सरपंच ओमप्रकाश बोहरा, राधेश्याम गोमला, रामानंद शर्मा, वाइस चांसलर डॉ. पवन त्रिपाठी आदि ने भी संबोधित किया।

विश्व खो-खो चैंपियन मीनू का दौंगड़ा जाट में स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। दौंगड़ा जाट में मीनू धत्तेरवाल को सम्मानित करते हुए।

विश्व खो-खो कप–2025 में भारत की विजेता टीम की सदस्य और हरियाणा के बिठमड़ा गांव की बेटी मीनू धत्तेरवाल के अटेली क्षेत्र के गांव दौंगड़ा जाट में पहुंचने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह न केवल दौंगड़ा जाट, बल्कि पूरे अटेली क्षेत्र में ऐतिहासिक बन गया। मीनू धत्तेरवाल रविवार दोपहर दोपहर 152 डी से दौंगडा जाट पहुची। वहां उपस्थित ग्रामीणों एवं धत्तेरवाल खाप की कमेटी द्वारा नोटों और फूलों की मालाओं और डोल नगाड़ों से उनका स्वागत किया। उसके स्वागत में सड़क पर ट्रैक्टरों, गाड़ियों, बाइकों के काफिले के साथ मीनू धतेरवाल दौंगड़ा जाट पहुंची। इस सम्मान समारोह में गांव के स्कूल के छोटे बच्चे, युवा, महिलाओं और बुजुर्गों की भीड़ लग गई।

श्री श्याम मंदिर में किया सुंदरकांड पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सुंदरकांड पाठ करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में सुंदरकांड पाठ का आयोजन शनिवार रात शुभम गार्डन के पीछे श्याम मंदिर में किया गया। जिसके मुख्य यजमान बनवारी लाल शर्मा व उनके परिवार रहा। सर्वप्रथम आचार्य गगन शास्त्री ने पूजा अर्चना करवा हनुमान चालीसा, गणेश वंदना, राम धुन के साथ सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया। जिसके अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल ने की। प्रशांत सैनी ने रंग बिरंगी फूलों से बालाजी महाराज का बाबा दरबार सजाया।

महावीर प्रसाद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सीताराम सर्राफ, काशीराम सैनी, राकेश गुप्ता, चिंटू गुप्ता, रामेश्वर शर्मा, रामानंद शर्मा, गगन शास्त्री, नवीन बंसल, नरेंद्र गर्ग, प्रशांत सैनी, शिवशंकर अग्रवाल, प्रमोद गर्ग ने सुंदरकांड पाठ के दोहे व चौपाइयों का गायन किया। मंडल के प्रमुख सदस्य अशोक सिंघल ने मुख्य यजमान को बालाजी महाराज की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद भजनों का दौर शुरू हुआ। जिसमें महावीर प्रसाद अग्रवाल ने आना पवन कुमार हमारे हरि कीर्तन में, मास्टर गौतम ने हारे के सहारे बाबा श्याम हमारे, नरेंद्र गर्ग में जब से मेरे सांवरे ने मुझे अपनाया है, नवीन बंसल ने लूट रहा लूट रहा बाबा का खजाना लूट रहा आदि भजनों से बालाजी महाराज का गुणगान किया। इस मौके पर कमल फौजदार, सिक्की फौजदार, विजय हल्दिया, अशोक सिंघल, तरुण सोनी, प्रवीण कुमार, वरुण फौजदार, हरदयाल सैनी, हरपाल सिंह, प्रमोद गर्ग, विष्णु गर्ग, नवीन भालोठिया, दीपक सिंघल, रामकुमार सैनी, गंगा देवी, चंदा देवी, लक्ष्मी देवी, मीना, द्रौपदी, सीमा, मेगा, वर्षा, मंजू, कृपा, नीलम आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

बाबा नृसिंह दास मंदिर में प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। बाबा नृसिंह दास मंदिर कांटी में ढफ प्रतियोगिता उपस्थित

गांव कांटी स्थित बाबा नृसिंह दास मंदिर परिसर में अमृता फाग उत्सव चतुर्थ ढफ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें आठ टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में राजस्थान प्रदेश के गांव दोसोद, कांटी, बिहाली, बसई भोपाल व गहली सहित आठ टीमों के हरियाणवी लोकगीत कलाकारों ने अपने अपने ढफ बजाकर लोगों को होली के मनुहार रंग में रंगा। कांटी बांस के सरपंच देवी सिंह ने विजेता टीमों को ढफ, गुड़ की भेली, टिफिन तथा नगद राशि देकर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में दौसोद की टीम प्रथम, कांटी की द्वितीय तथा बिहाली की टीम तीसरे स्थान पर रही। इस मौके पर देवी सिंह सरपंच, जुगनू, नरेश सिंह, रामौतार सिंह, सुबोध गिरी जी महाराज, राकेश प्रजापत, शिंभु नंबरदार आदि मौजूद थे।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. सीएस वर्मा प्रभाकर थे मुख्य अतिथि

नामदेव समाज का होली मिलन समारोह व गोष्ठी संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। होली मिलन समारोह में भाग लेते समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

श्री नामदेव समाज समिति के तत्वावधान में रविवार को होली मिलन समारोह का आयोजन नामदेव भवन धर्मशाला रविदास मार्ग पुरानी सराय में किया गया। समारोह में काव्य व विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें नामदेव समाज की अतिरिक्त क्षेत्र के जाने माने कवि व साहित्यकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। काव्य व विचार गोष्ठी के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. सीएस वर्मा प्रभाकर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य विक्रम सिंह वर्मा ने की।

कार्यक्रम में प्रमोद वत्स, सुंदरलाल सुबोध, जयप्रकाश कौशिक, डा. जितेंद्र भारद्वाज, डा. अशोक योगी, महेंद्र कुमार वर्मा, रतन, सत्यनारायण वर्मा, सत्यम, नवरत्न वर्मा, शैलेश रोहिल्ला ने अपनी कविताओं व गजलों के माध्यम से काव्य की विभिन्न विधाओं के रंगों को बिखेर कर समारोह का मान बढ़ाया। डा. सीएस वर्मा के गीत मुझको रंग कोई ना भाए, तुम बिन कैसे खेलू होली ने ऐसा समां बांधा कि श्रोता मंत्र मुक्त हो गए। प्रमोद वत्स ने कठिन फिर भी चुना है धार के विपरीत जाना, क्या करें अब प्यार है तो है कविता सुनाकर माहौल को रोमांचित कर दिया। युवा कवि शैलेश ने गांडीव हाथ में तेरे हैं, मैं रणभूमि में लड़ता हूं कविता के माध्यम से महाभारत युद्ध का सजीव चित्रण किया।

कवि नवरत्न वर्मा ने गंभीर कविता अंतिम समय में खून का रिश्ता भी साथ छोड़ देता है सुनाकर माहौल को गंभीर बना दिया। जिसमें जोश भरने का कार्य महेंद्र कुमार ने वीर रस की कविता छत्राणि बनकर आई हूं दासी बंद करना स्वीकार नहीं सुनाकर किया।

उत्साह उमंग का त्योहार है होली

इस अवसर पर डा. जितेंद्र भारद्वाज ने संपूर्ण नामदेव समाज को होली मिलन की बधाई कुछ इस प्रकार से दी होली मिलन मना रहा नामदेव समाज एकवि एकत्र होकर सारे दे रहे बधाई आज। सत्यनारायण वर्मा सत्यम ने हास्य रस की कविता बनवारी लाल झक्की इस बार बात करके आया हूं पक्की, सुनाई जिसे श्रोताओं ने हंसने पर मजबूर कर दिया। वरिष्ठ साहित्य प्रकाश जयप्रकाश कौशिक ने होली त्योहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी कविता के माध्यम से बताया कि उत्साह उमंग का त्योहार है होली, भेद भुला मेल मिलाप का त्यौहार है होली। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नामदेव समाज के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

रंग–गुलाल व भक्ति के रंग में सराबोर हुई 112वीं प्रभातफेरी, गूंजे राधे–राधे के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। प्रभातफेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

फाल्गुन मास की दशमी तिथि के पावन अवसर पर राधा कृष्ण प्रभातफेरी संगठन की ओर से निकाली गई 112वीं भव्य प्रभात फेरी ने पूरे नगर में भक्ति व आनंद का माहौल बना दिया। यह भव्य प्रभात फेरी मोहल्ला गुरुनानकपुरा स्थित गुरुद्वारे के पीछे से प्रारंभ हुई। जिसका शुभारंभ विनोद कुमार गुप्ता ने अपने पूरे परिवार सहित चंदन तिलक लगाकर किया।

प्रभातफेरी के दौरान सैकड़ों की संख्या में पुरुष, महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे व युवा धर्म प्रेमियों ने बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। प्रभात फेरी के दौरान विशेष रूप से श्री श्याम ध्वजा मंगवाई गई। जिसे भक्तों ने अपनी श्रद्धा के साथ हाथों में लेकर परिक्रमा मार्ग में स्थित पीर के पास श्रीश्याम मंदिर में चढ़ाया।

प्रभातफेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर गुरुनानकपुरा, पीरआगा से होते हुए परिक्रमा मार्ग से गुजरकर वापस प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। इस दौरान पूरे मार्ग में भक्तजनों ने ढोल-नगाड़ों, मंजीरे, झांझ, डफली और घंटियों के साथ राधे-राधे के जयकारे लगाए। ऐसा भक्ति भाव का दृश्य बन गया मानों शहर की गलियां वृंदावन धाम का रूप ले चुकी हो। लोगों के घर-घर से निकलकर ठाकुर जी के दर्शन करने का उत्साह, परिक्रमा मार्ग में फूलों की वर्षा करके प्रभात फेरी का स्वागत करना और राधा नाम संकीर्तन के साथ झूमना-नाचना, यह सब देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानों समस्त वातावरण भक्ति में डूब चुका हो।

खबर संक्षेप

प्रीतम कुमार ने जीते स्वर्ण पदक

नारनौल। बंगलौर में आयोजित नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता में गांव मंढाणा के खिलाड़ी प्रीतम कुमार ने शानदार प्रदर्शन कर हरियाणा व देश का नाम रोशन किया हैं। एथलीट प्रीतम कुमार ने तीन स्वर्ण, एक सिल्वर मेडल सहित कुल चार मेडल जीत कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह प्रतियोगिता चार से नौ मार्च तक कांतीरवा स्टेडियम एवं साईं स्पोर्ट्स सेंटर बंगलौर में आयोजित हुए। जिसमें देशभर से 3600 महिला व पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। हरियाणा से कुल 114 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और कई पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन अनेक खेल हुए

मंडी अटेली। बाबा नृसिंह सिंह भगवान के विशाल भरने वाले मेले ताजपुर में क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन अनेक खेल हुए। एक मैच दूलोठ व कांटी के बीच में हुआ, जिसमें दूलोठ टीम जीती। दूसरा मैच बाछौद व बोचड़िया के बीच हुआ, जिसमें बाछौद जीती, जबकि तीसरा मैच सिहार व ताजपुर के बीच हुआ, इस मुकाबले में ताजपुर में जीती। इसी प्रकार सिलारपुर व राजपुरा के बीच हुए मुकाबले में राजपुरा जीती। तीसरे राउंड में ताजपुर, मुसेपुर, खटोटी पहुंची गई है। एंपायर के रूप में देवेंद्र कुमार, गुलशन रहे। प्रतियोगिता में 34 टीम हिस्सा ले रही है। मौके पर पूर्व सरपंच इंद्रजीत व राजकुमार टाईगर प्रतियोगिता में विशेष रूप से मौजूद रहे।

बूचावास में श्रीश्याम बाबा की शोभायात्रा निकाली

कनीना। गांव बूचावास में रविवार को श्याम भक्तों की ओर से चतुर्थ शोभा यात्रा व निशान यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। फाल्गुन उत्सव में मनमोहक झांकिया प्रस्तुत की गई। वहीं हैलीकोप्टर से पुष्प वर्षा की गई। पंडित कमलकांत शास्त्री, ग्राम सरपंच प्रवीन कुमार, राधेश्याम गुप्ता, सूबेदार सतबीर सिंह, रामसिंह, रविंद्र सिंह, मुकुट शर्मा, मनोज सिंह, सुमित फौजी, प्रवेंद्र कौशिक, मुकेश शर्मा, विक्रम सिंह, विकेश पंच ने बताया कि रंग अबीर उडाते हुए श्रद्धालु ने उत्साह दिखाया। उन्होंने बताया कि 10 मार्च को श्रीश्याम मंदिर प्रांगण बूचावास में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। दूसरी ओर दादरी मार्ग स्थित बागोत के श्रीश्याम मंदिर में एकादशी के मौके पर मेले का आयोजन किया गया। जिसमें दूरदराज से निशान पद यात्रा कर आए श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। मंदिर के मठाधीश मंहत रोशनपुरी ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

केन्द्र व प्रदेश सरकार की संयुक्त पहल, अब कोई भी परिवार नहीं रहेगा घर के बिना

- गरीब व आवासहीन परिवारों की पहचान के लिए प्रधानमंत्री आवास योजनाके तहत आवास प्लस 2 .0 सर्वे आरंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 2.0 के लिए सर्वे शुरु हो गया है। पीएम आवास योजना को आर्थिक तौर से कमजोर तबके को मकान देने के इरादे से शुरू किया गया था। नए सर्वे में अब कोई भी ग्रामीण परिवार अपने मोबाइल से स्वयं अपने घर का सर्वे कर सकता है और सरकार की इस योजना का लाभ उठा सकता है। यह जानकारी देते हुए जिला परिषद के सीईओ मनोज कुमार ने बताया कि पीएम आवास के नए सर्वे का इरादा 2024-25 से 2028-29 तक योजना के पात्र परिवारों को पक्के मकान मुहैया कराना है। खास बात है कि पीएम आवास योजना के लिए मोबाइल ऐप से भी आवेदन किया जा सकता है। इस योजना में ऐसे अनुसूचित जाति-जनजाति के परिवार जिनके पास मकान नहीं है, उन्हें पीएम आवास में वरीयता दी जाएगी। इसके बाद अपनी लोकेशन चुनें जिसमें राज्य, जिला, तहसील और गांव का चयन करें। इसके बाद लाभार्थी की जानकारी भरें (सभी सदस्यों की जानकारी भरनी है) उस परिवार के मुखिया का आधार नंबर डालें, जिसका सर्वे करना है। सभी जरूरी जानकारी सही-सही भरें और सबमिट करें। लाभार्थी व मकान की फोटो लें। लाभार्थी की आखिरी सेल्फी लें। मकान की दो तस्वीरें लें, जहां वह अभी रह रहा है। जहां नया मकान बनना है। बैंक खाता विवरण भरें। इसमें नरेगा जॉब कार्ड अनिवार्य है। एक मोबाइल से केवल एक ही सर्वे किया जा सकता है। सभी जानकारी सही-सही भरें, ताकि भविष्य में कोई समस्या न आए। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए ग्राम सचिव, खण्ड विकास अधिकारी व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद व जिला ग्रामीण विकास एजेंसी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

ये ऐप करना होगा डाउनलोड

योजना के लिए सर्वे करने तथा अपनी पहचान के सत्यापन के लिए जरूरी ऐप डाउनलोड करना होगा। सबसे पहले **Awaasplus** 2024 **App** (सर्वे करने के लिए) डाउनलोड करें। इसके बाद चेहरे की पहचान के लिए **Aadhar Face RD App** डाउनलोड करें। इस ऐप को खोलें। ऐप खोलकर सेल्फ सर्वे विकल्प चुनें। अपना आधार नंबर डालें और आगे बढ़ें। ई-केवाईसी पूरा करें। अपनी सेल्फी लें और आंख झपकाएं, ताकि ई-केवाईसी पूरी हो सके।

ये होंगे पात्र

जिनके मकान कच्चे हैं, टूटे हुए हैं, दरारें आई हुई हैं, खुद का पक्का घर नहीं है, जर्जर हालत में हैं या जो वास्तव में आवास योजना के लिए जरूरतमंद हैं। उन सभी परिवारों का सर्वे करें, ताकि वे इस योजना का लाभ उठा सकें।

सर्वे के बाद क्या होगा

- आपका सर्वे ऑनलाइन सर्वेयर को भेजा जाएगा।
- गांव के लिए नियुक्त सरकारी सर्वेयर आपके घर का निरीक्षण करेगा।
- सत्यापन पूरा होने के बाद आवास योजना का लाभ दिया जाएगा।

लोगों को गड्ढों से मिलेगी राहत

2.60 करोड़ रुपये से बनेगी मसानी चौक से कॉलेज रोड तक सड़क

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

मसानी चौक से कॉलेज रोड तक करीब 1800 मीटर सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस मार्ग का निर्माण करने के लिए करीब 2.60 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। शहर की लाइफ लाइन माने जाने मसानी चौक से कॉलेज मोड़ तक हालात जल्द ही सुधरनें वाले हैं। नगर पालिका की ओर से यह रोड सीसी बेस का बनाया जाएगा। इस पर लगभग 2.60 करोड़ रुपये की लागत आएगी। रोड को दस मीटर से अधिक चौड़ा किया जाएगा। साथ ही दोनों ओर नालियां भी बनाई जाएगी। शहर मसानी चौक से लेकर कॉलेज मोड़ तक रोड शहर का मुख्य रोड है। 1800 मीटर दूरी तक रोड पर 1500 गड्ढे बने हुए हैं। वाहन चालकों को इस रोड से गुजरने पर काफी परेशानी उठानी पड़ती है। बता दें कि शहर के मोहल्ला मसानी से राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल तक की सड़क की हालात खस्ता होने के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। इस मार्ग पर दो राजकीय स्कूल, कई निजी शिक्षण संस्थान व निजी अस्पताल, सैकड़ों की संख्या में दुकानें होने के कारण लोगों का आवागमन बना रहता हैं। इस मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं। आए दिन गड्ढों के कारण हादसे होते रहते हैं। इस मार्ग को पुराने नारनौल रोड के नाम से जाना जाता हैं। इस मार्ग पर शहर के मुख्य बाजार भी लगता है। इसके अलावा नारनौल से रेवाड़ी की जाने का भी सबसे छोटा रास्ता है। इस मार्ग पर मसानी चौक, पाठशाला रोड, परशुराम चौक, 11 हट्टा बाजार, बास मोहल्ला, सैनीपुरा, गुर्जरों की ढ़ाणी में हजारों की संख्या में लोग रहते हैं। टूटी सड़क के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस मार्ग पर पांच-छह फीट की दूरी पर गहरे गड्ढे बने हुए हैं। यह मार्ग दो महाविद्यालय, मॉडल संस्कृति स्कूल, 148-बी से जोड़ता हैं। इसके अलावा यह मार्ग 50 से अधिक गांवों को शहर से जोड़ता है। दिनभर इस मार्ग से हजारों की संख्या में वाहन गुजरते हैं। टूटी सड़क के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस मार्ग पर 500 से अधिक दुकान हैं, जिसके कारण आमजन, दुकानदारों व राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के लोगों की मानें तो करीब 20 वर्ष पहले इस मार्ग पर सड़क का निर्माण हुआ था। इसके बाद नगर पालिका ने इस मार्ग की कभी सुध नहीं ली। इसके अलावा मार्ग की चौड़ाई कम होने से जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। इस माह मार्ग का निर्माण होने की उम्मीद है। एजेंसी को टेंडर अलॉट किया जा चुका है।

महेंद्रगढ़। 11 हट्टा बाजार की खस्ताहाल सड़क। फोटो: हरिभूमि

टेंडर अलॉट किया जा चुका

मसानी चौक से कॉलेज मोड़ तक लगभग 1800 मीटर रोड 2.60 करोड़ रुपये से बनेगा। इसका टेंडर अलॉट किया जा चुका है। जल्द निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

–रमेश सैनी, प्रधान, नगर पालिका महेंद्रगढ़

हजारों लोगों को मिलेगा फायदा

शहर का यह मुख्य रास्ता है। शहरवासी नारनौल जाने के लिए इस रोड से आवागमन करते हैं। कई गांवों के लोग इसी रोड से बाजार खरीदारी के लिए आते हैं। महाविद्यालय, मैरिज पैलेस, मॉडल स्कूल, आंखों के अस्पताल आदि स्थानों पर इसी रोड से होकर गुजरना पड़ता है। मसानी चौक से कॉलेज मोड़ तक मसानी रोड, परशुराम चौक, 11 हट्टा बाजार, पुराना बस स्टैंड, सैनीपुरा आदि आते हैं। इस रोड पर लगभग 300 से अधिक दुकानें हैं। रोड का बन जाने पर शहर के हजारों लोगों को फायदा होगा।

औसत दस मीटर चौड़ी होगी सड़क

वर्तमान में यह रोड 10 से 12 फिट चौड़ी है, लेकिन अब इसको दस मीटर से अधिक चौड़ा किया जाएगा। बीच रास्ते में आने वाले चबूतरे भी तोड़ दिए जाएंगे। इसके अलावा बिजली के खंभे भी शिफ्ट किए जाएंगे। बिजली निगम ने खंभे हटवाने के लिए लगभग 30 लाख रुपये का एस्टीमेट बनाकर नगर पालिका को भेजा है।

हृदय व नेत्र रोग जांच शिविर में 64 मरीजों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

कनीना मंडी स्थित लाला शिवलाल धर्मशाला में रविवार को आयोजित 84वें हृदय, सामान्य रोग, बालरोग एवं नेत्र रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 64 जरूरतमंद मरीजों ने स्वास्थ लाभ उठाया। शिवकुमार अग्रवाल व योगेश कुमार ने बताया कि सेवा भारती की ओर से सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक आयोजित इस शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डा. रजत अग्रवाल, शिशु बालरोग विशेषज्ञ डा. हिमानी अग्रवाल व नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. संतोष कुमार की टीम ने मरीजों की जांच कर दवा वितरित की। उन्होंने बताया कि पांच मार्च 2017 से शुरू हुए इस स्वास्थ्य जांच शिविर को आठ वर्ष पूरे हो गए हैं। इस दौरान करीब साढ़े सात हजार मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया है। इस मौके पर नवीन यादव, हितेष कुमार, सुरेश शर्मा, श्याम सुदंर, अमित, सोमदत्त, सुरेंद्र सिंह, जगदीश गुप्ता आदि मौजूद थे।

कनीना। शिविर में नेत्र जांच करते विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

हकेंवि छात्रों ने काशी तमिल संगमम में लिया हिस्सा

महेंद्रगढ़। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वाराणसी में काशी तमिल संगमम 3.0 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालय से तमिल मूल के 200 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से भी तमिल मूल के चार विद्यार्थियों ने इस आयोजन में प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस आयोजन को उत्तर और दक्षिण भारत के सांस्कृति व धार्मिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार करने में अवश्य मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय में केटीएस 3.0 के समन्वयक डॉ. कुमार पी ने बताया कि इस वर्ष के आयोजन का प्राथमिक विषय सिद्ध चिकित्सा, तमिल साहित्य में ऋषि अगास्त्य के योगदान और देशभर में सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका से विद्यार्थियों को अवगत कराना था।

नारनौल। कार्यक्रम में देवांशु को स्वर्ण पदक प्रदान करते मुख्य अतिथि व कुलपति।

देवांशु को एलएलबी परीक्षा में मिला गोल्ड मेडल

नारनौल। नीरपुर निवासी देवांशु पुत्र डा. संग्राम सिंह ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के एलएलबी (विधि संकाय) कोर्स में सर्वाधिक अंक हासिल करके गोल्ड मेडल हासिल किया है। यह परीक्षा 2024 में हुई थी। हाल ही में केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित भव्य समारोह में देवांशु को गोल्ड मेडल से नवाजा गया। इसका श्रेय उन्होंने अपनी माता रेखा कुमारी, पिता डा. संग्राम सिंह अधिवक्ता, बहन कल्पना, ऐश यादव अधिवक्ता, डा. कविता यादव पूर्व प्राचार्य, अनमोल यादव स्कॉलर, हैप्पी अग्रवाल व विश्वविद्यालय के विधि संकाय के गुरुजनों को दिया। देवांशु ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि पक्के इरादे व मेहनत से हम अपनी ऊर्जा को सही दिशा में ले जा सकते हैं और डिजायर्ड टार्गेट को हासिल कर सकते हैं। कामयाबी हासिल करने के लिए आपको खुद को तैयार करना बहुत जरूरी है, जब आप खुद को तैयार कर लोगे तो सफलता आपके कदम चूमने लगेगी, जब आप खुद ये फैसला कर लोगे की आप सबसे बेहतर बन के दिखाओंगे व उसके अनुरूप आप मेहनत भी करोंगे तो आप जो चाहो वो सब कर पाओंगे। सफलता पाने की सबसे बड़ी व एक ही कुंजी होती है, जिसे मेहनत कहते है।

महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण, उनकी उपलब्धियों और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्था के प्राचार्य डॉ. आरएन यादव ने महिलाओं के अधिकारों, उनकी उपलब्धियों और समाज में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों की सराहना की और भविष्य में और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कॉलेज की छात्राओं ने नृत्य, संगीत और विभिन्न खेलों के माध्यम से महिलाओं के संघर्ष और सफलता की कहानियों को प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और महिलाओं की अदम्य शक्ति को उजागर किया। संस्था के प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। हमें मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां महिलाएं स्वतंत्रता, सम्मान और समानता के साथ जीवन जी सकें। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

नारनौल। महिलाओं को सम्मानित करते प्राचार्य डा. आरएन यादव। फोटो: हरिभूमि

महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) यूनिट ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। आयोजन का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में हकेंवि के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत में लेफ्टिनेंट डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

उन्होंने महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक आंदोलन है, जो समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सक्षम है। आयोजन में मुख्यवक्ता प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने महिला शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं, लेकिन सशक्त समाज के निर्माण के लिए हमें महिलाओं को समान अवसर और सम्मान देना जरूरी है। प

रो. सुनीता श्रीवास्तव ने एनसीसी कैडेट्स को अनुशासन, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता अपनाने की प्रेरणा दी और कैडेट नेत्राशा सिंह को विश्वविद्यालय की प्रथम कैडेट के रूप में ए ग्रेड लेने के लिए बधाई दी। उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड-2025 में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले कैडेट दीपक चौधरी को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य डिप्टी एनसीसी अधिकारी नरेश कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए प्रो. पायल चंदेल ने कहा कि यह आयोजन हमें महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण की दिशा में और अधिक सक्रियता से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

महेंद्रगढ़। हकेंवि के एनसीसी कैडेट दीपक चौधरी को ट्रॉफी प्रदान करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। फोटो: हरिभूमि

एनएसएस छात्राओं ने रैली निकाल दिया नशाखोरी रोकथाम का संदेश

नांगल चौधरी। बैजनाथ चौधरी गर्ल्स कॉलेज की एनएसएस छात्राओं ने शहर में रैली निकालकर नशाखोरी रोकने व जल संरक्षण करने का संदेश दिया। सायंकालीन सत्र में नारनौल पीजी कॉलेज के प्राध्यापक डा. नरेश यादव व चिकित्सक कविता शर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे।

उन्होंने कैडेटों को समाज में फैली कुरीतियों मिटाने व महिलाओं को सबल बनाने आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन शिविर की इंचार्ज डा. पूनम बाई व डा. सुशीला यादव ने किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किताबी पढ़ाई के साथ सामाजिक दायित्व व जिम्मेवारी से अवगत कराने के लिए स्वयंसेवक योजना क्रियावित की है। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों में पहले मैं नहीं आप की भावना उत्पन्न किया जाता है।

विभाग का तर्क है कि समाज को संगठित व संस्कारित बनाने के लिए युवाओं में स्वयंसेवी भावना होनी अनिवार्य है। उन्होंने छात्राओं को निडर, आत्मनिर्भर तथा जुनूनी बनने का संदेश दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

कनीना में मोलड़नाथ का मेला आज

कनीना। कनीना में सोमवार फाल्गुल शुक्ल पक्ष एकादशी के मौके पर आयोजित होने वाले बाबा मोलड़नाथ के धार्मिक मेले का आयोजित किया जाएगा। रविवार को सिहोर रोड पर 10वें भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मेले में सोमवार को सुबह ऊंट व देसी घोड़ी दौड़ प्रतियोगिता होगी। सूबेदार रणवीर सिंह व सुभाष यादव ने बताया कि बाबा मोलड़नाथ की 74वीं स्मृति में फाल्गुन शुदी एकादशी को आयोजित होने वाले इस मेले में खेलकूद प्रतियोगिता सहित भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रविवार रात्रि मंदिर के समीप फुटबॉल मैदान में जागरण किया गया। जिसमें गायक कलाकार प्रीति चौधरी, आरती जांगड़ा, जयप्रकाश, गोवंद खांडा ने धार्मिक भजनों की प्रस्तुति दी। सोमवार सुबह आठ बजे सिहोर छितरोली रोड पर ऊंट व घोड़ी दौड़ होगी। जिसमें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

कार्यक्रम | विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन

हकेंवि में वार्षिकोत्सव स्पंदन की हुई शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव स्पंदन-2025 का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आरपीएस ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस मनीष राव व हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का आगाज शनिवार शाम विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें हरियाणा लोकसेवा आयोग की सदस्य ममता यादव व स्थानीय विधायक कंवर सिंह यादव उपस्थित रहे। आयोजन के अंतर्गत विद्यार्थियों ने मनमोहक लेने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इसी क्रम में रविवार को स्पंदन 2025 का औपचारिक रूप से शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि मनीष राव ने युवा शक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि अनुशासन, आत्मविश्वास और उत्कृष्टता का भाव सदैव सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि जो आज जीतेगा नहीं, वह सीखकर जाएगा। इसलिए अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास करें। इसी तरह उद्घाटन सत्र में उपस्थित विशिष्ट अतिथि अनिल कौशिक ने अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए मानवता और समाज के विकास में युवा पीढ़ी की भूमिका पर जोर दिया। साथ ही साथ उन्होंने विश्वविद्यालय में झलकने वाले मिनी भारत का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एक भारत श्रेष्ठ भारत की पकिकल्पना को साकार कर रहा है। आयोजन के संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हर साल यह आयोजन विद्यार्थियों को कक्षाओं से इत्तर विकास के अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि उद्देश्य केवल डिग्री ग्रहण करना ही नहीं है, यह सफल तभी हो सकती है जबकि विद्यार्थी हर मोर्चे पर स्वयं को प्रदर्शित करने में सक्षम हों। स्पंदन सरीखे आयोजन युवाओं को अनुभव आधारित अध्ययन का अवसर प्रदान करते हैं। कुलपति ने युवाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपने देश, समाज व स्वयं के विकास के लिए प्रेरित किया। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरूआत में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने आयोजन की रूपेरखा प्रस्तुत की और बताया कि दो दिवसीय आयोजन में हरियाणा व दिल्ली एनसीआर के दस विश्वविद्यालयों की टीमें प्रतिभागिता कर रही हैं।

महेंद्रगढ़। स्पंदन-2025 में प्रस्तुतियां देते प्रतिभागी व कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि